बाँसवाडा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों की शैक्षिक समस्याओं का अध्ययन

श्रीमती चित्रांशा सोनी
एम.एड. विद्यार्थी
अरिहंत कॉलेज
453, खंडवा रोड इंदौर (म.प्र.)

श्रीमती पल्लवी कुमारी
सहायक प्राध्यापक
अरिहंत कॉलेज इंदौर
453, खंडवा रोड इंदौर (म.प्र.)

1. प्रस्तावना

प्रस्तुत अनुसंधान पत्र में 'बाँसवाडा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों की शैक्षिक समस्याओं का अध्ययन' एक सर्वेक्षणात्मक प्रकृति का शोध है। प्रस्तुत अध्याय मे बाँसवाडा जिला के ग्रामीण क्षेत्रों की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों की संख्याए, विषयवार विद्यार्थी नामाकंन, शैक्षिक समस्याए– पिछडेपन के कारण, शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र की जनसख्या व साक्षरता, अनुसुचित जातियों एवं अनुसूचित जनजातियों की स्थिति, अनुसुचित जातियों एवं अनुसूचित जनजातियों के शैक्षिक पिछडेपन के कारण, शोध का औचित्य, समस्या कथन, उद्देश्य तथा परिसीमाओं का अध्ययन किया गया है।

2. सम्बन्धित साहित्य

माली, दिनेश चंद्र (2000) ने विद्यार्थियों की शिक्षा की समस्या एवं अभिभावक की अभिवृति विषयक शोध कार्य किया। इस शोध के उद्देश्य विद्यार्थियों की शिक्षा की समस्याओं के कारणो का पता लगाना, विद्यार्थियों की शिक्षा समस्याओं से संबंधित अभिभावकों की अभिवृति का पता लगाना एवं सुझाव देना आदि थे। शोध परिणामों में पाया गया की शिक्षा प्राप्त करने में अनपढ़ माता–पिता के कारण 73.3 प्रतिशत, पारिवारिक सोच के कारण 83.3 प्रतिशत, घरेलू कार्यों का कारण 93.3 प्रतिशत, खेती एवं पशुपालन के कारण 96.6 प्रतिशत एवं विषय पारिवारिक परिस्थितियों के कारण 73.3 प्रतिशत समस्याएं सामने आई। शिक्षा के प्रति अभिभावक की सकारात्मक अभिव्यक्ति पाई गई।

दुबे (2000) ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों का अध्ययन किया और अध्ययन में निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त किया– अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के सशक्तिकरण हेतु व्यूह रचना उपलब्धि के संदर्भ में प्रभावी पाया गया। शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की प्रतिक्रियाएं व्यूह रचना के प्रति सकारात्मक थी।

अग्रवाल (2000) ने अनुसूचित जाति के छात्रों की शैक्षिक समस्याओं का अध्ययन किया। यह अध्ययन शिक्षा से संबंधित विभिन्न समस्याओं पर अनुसूचित जाति के छात्रों की राय का पता लगाने के लिए किया गया था। इसमें प्राप्त प्रमुख निष्कर्ष यह था कि अनुसूचित जाति के आधे से अधिक छात्रों के पास शिक्षा के उद्देश्य और महत्व और लड़कियों की शिक्षा के बारे में सकारात्मक राय, वे खुद को अलग–अलग कक्षा की गतिविधियों में भाग लेने में सक्षम है, लेकिन कुछ समय किसी भी नए काम को शुरू करने में झिझक महसूस करते हैं, छात्रों के पक्षपात किए बिना शिक्षकों के प्रति अनुकूल रवैया और व्यवहार को माना, यह भी ध्यान दिया गया कि वे अपनी कमजोरियों से अवगत थे उन्हें अपने माता–पिता की अशिक्षा के कारण अपने माता–पिता से प्रदान की गई सुविधाओं, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन का लाभ उठाना मुश्किल हो गया।

इकोनॉमिक्स एंड पॉलीटिकल वीकली विस्कॉफ (2001) के अनुसार अनुभवजन्य शोध की समीक्षा की जो की उच्च शिक्षण संस्थान जो कि अमेरिका में स्थित है में प्रवेश हेतु सकारात्मक कार्रवाई के प्रभाव का मूल्यांकन करता है। इसका मुख्य उद्देश्य सकारात्मक भेदभाव नीतियों के परिणाम पर अनुभवजन्य साक्ष्य को

संकलित कर विश्लेषण करना है। भारतीय स्कूलों तथा विश्वविद्यालय में आरक्षण नीतियों के अनुसार उच्च शिक्षा में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति का नामांकन तेजी से बढ़ रहा है ।

2.1 ग्रामीण क्षैत्र के राजकीय उच्च मध्यमिक विद्यालय

बांसवाड़ा जिले में कुल 11 ब्लॉक है जिनमें कुल उच्च माध्यमिक विद्यालयों की संख्या ५२२ है जिनमे सबसे अधिक उच्च माध्यमिक विद्यालय घाटोल ब्लॉक में है तथा सबसे कम उच्च माध्यमिक विद्यालय छोटी सरवा में है। यह सभी 11 ब्लॉक ग्रामीण क्षेत्र के ही ब्लॉक है जिनमें अधिकतर ग्रामीण विद्यार्थी अध्ययन करते हैं।

उच्चतम माध्यमिक विद्यालय शिक्षा का एक महत्वपूर्ण चरण है जो विद्यार्थियों को अपने अध्ययन के क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त करने का अवसर प्रदान करता है। यह चरण उन्हें उन विषयों में माहिर बनाता है जिनमें वे आगे बढ़कर करियर बनाना चाहते हैं। निम्नलिखित हैं उच्चतम माध्यमिक विद्यालय के महत्व के कुछ पहलु:
विषय चयनः इस स्तर पर, विद्यार्थी विषय चयन करते हैं जिनमें उन्हें रुचि होती है और जिनमें वे आगे अध्ययन करना चाहते हैं। यह उन्हें अपने क्षमताओं के आधार पर अध्ययन करने का अवसर प्रदान करता है।
करियर की तैयारीः यह स्तर विद्यार्थियों को उन क्षेत्रों में तैयारी करने का अवसर देता है जिनमें वे अग्रिम शिक्षा लेना चाहते हैं, जैसे कि इंजीनियरिंग, वैज्ञानिक, कला, वाणिज्यिक, आदि।
पेशेवर मार्गदर्शनः विद्यार्थियों को इस समय में पेशेवर मार्गदर्शन और सलाह के लिए सहायक मिलता है, जो उन्हें उच्च शिक्षा और करियर के लिए सही राह पर ले जाता है।
आत्मनिर्भरताः उच्चतम माध्यमिक विद्यालय विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने का मौका प्रदान करता है, जिससे वे अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सक्षम हो सकते हैं।
आगे की शिक्षा के लिए तैयारीः इस स्तर पर पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए तैयारी होती है, जो उन्हें अपने चयनित क्षेत्र में अध्ययन जारी रखने का अवसर देता है।
ग्रामीण क्षेत्रों की उच्च माध्यमिक शिक्षा में क्या–क्या समस्या आ रही हैं, इससे अगर हम ज्ञात करले तो ग्रामीण क्षेत्रों की साक्षरता का प्रतिशत बढ़ने में मदद मिलेगी। इसलिए इस शोध प्रबंध में राजस्थान के बाँसवाडा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों की चार राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों की शैक्षिक समस्याओं को विस्तार से जानने का प्रयास किए है।

2.2 ग्रामीण क्षेत्र में उच्च माध्यमिक शिक्षा क्यों जरूरी है?

रोजगार के अवसरः ग्रामीण क्षेत्रों में उच्च माध्यमिक शिक्षा के पास होने से लोग नौकरी के लिए अधिक योग्यता प्राप्त करते हैं, जिससे उन्हें बेहतर रोजगार के अवसर मिलते हैं।
कृषि में तकनीकी उन्नतिः उच्च माध्यमिक शिक्षा के छात्रों को कृषि में तकनीकी ज्ञान प्राप्त होता है, जिससे वे नए और सुधारित तकनीकों का उपयोग कर सकते हैं, जो कृषि उत्पादन में वृद्धि कर सकते हैं।
सामाजिक और सांस्कृतिक समृद्धिः उच्च माध्यमिक शिक्षा के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के छात्र सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से भी समृद्धि प्राप्त करते हैं और इससे सामाजिक समरसता का विकास होता है।
स्वस्थ और जागरूक समाजः उच्च माध्यमिक शिक्षा के प्राप्त होने से लोग अधिक स्वस्थ और जागरूक बनते हैं, जिससे वे स्वस्थ जीवनशैली की प्रोत्साहना करते हैं और समुदाय के विकास में सहायक होते हैं।
प्रशासनिक क्षमताः उच्च माध्यमिक शिक्षा से सम्पन्न व्यक्ति प्रशासनिक क्षमता, समाज सेवा, और समाज में योजनाओं को समझने की क्षमता विकसित करता है, जिससे समुदाय का विकास होता है।
अनुसंधान और विज्ञानः उच्च माध्यमिक शिक्षा ग्रामीण क्षेत्रों में अनुसंधान और विज्ञान को बढ़ावा देती है, जिससे वहां के लोग अपने स्वयं के समस्याओं का समाधान निकाल सकते हैं।
इन कारणों से ग्रामीण क्षेत्रों में उच्च माध्यमिक शिक्षा का प्रदान करना महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे समुदाय के विकास में सकारात्मक परिणाम होते हैं।

2.3 भाहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र की जनसख्या व साक्षरता

राजस्थान के बांसवाड़ा जिले की जनसंख्या 2011 के अनुसार 1,797,485 है। जिसमें 907,754 पुरुष और 8,89,731 महिलाएं हैं। 2011 में बांसवाड़ा जिले में कुल 3,67,797 परिवार रह रहे थे। बांसवाड़ा जिले का औसत लिंग अनुपात 980 है।

जनगणना 2011 के अनुसार, कुल जनसंख्या में से 7.1% लोग शहरी क्षेत्रों में रहते हैं जबकि 92.9% गाँवी क्षेत्रों में रहते हैं। शहरी क्षेत्रों में औसत साक्षरता दर 85.2% है जबकि गाँवी क्षेत्रों में यह 54% है। बांसवाड़ा जिले के शहरी क्षेत्रों का लिंग अनुपात 964 है जबकि गाँवी क्षेत्रों का यह 981 है।

तालिका 1: भाहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र की जनसख्या व साक्षरता

	कुल	पुरुष	महिला
बच्चेआयु (0-6)	325,283	168,225	157,058
साक्षरता	56.33%	56.61%	35.46%
अनुसूचित जाति	80,091	40,639	39,452
अनुसूचित जनजाति	1,372,999	690,476	682,523
असाक्षर	968,142	393,900	574,242

ग्राफ 1: भाहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र

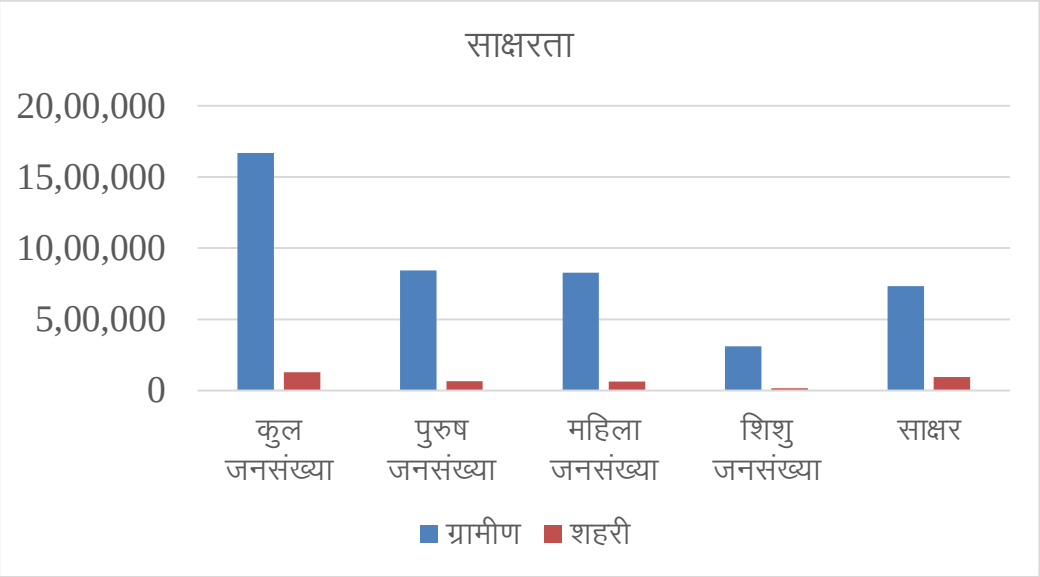

3. उद्देश्य

प्रस्तुत अनुसंधान पत्र के उद्देश्य निम्नानुसार है

1. बाँसवाडा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की समस्याओं का अध्ययन करना।
2. बाँसवाडा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की समस्याओं का अध्ययन करना।
3. बाँसवाडा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों की समस्याओं का अध्ययन करना।

4. न्यादर्श

प्रस्तुत अनुसंधान पत्र बांसवाड़ा जिले के ग्रामीण क्षेत्र के पॉच राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों का चयन उद्देश्यपरक विधि से किया गया। न्यादर्श के रूप में चयनित विभिन्न ग्रामीण क्षेत्र के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियो शिक्षको, तथा प्रधानाध्यापको को सम्मिलित किया गया।
उद्देश्य 1, 2 और 3 के लिए न्यार्दश के रूप में बांसवाड़ा जिले के ग्रामीण क्षेत्र के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों की सूची निम्नलिखित तालिका में प्रदर्शित है –

तालिका 2: बांसवाड़ा जिले के ग्रामीण क्षेत्र के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों चसनित विद्यार्थियो, शिक्षको एवं प्रधनाध्यापक की की सूची

क्र.	विद्यालय	विद्यार्थी	शिक्षक	प्रधानाध्यापक
1	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जनामेडी	30	7	1
2	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लोधा	24	6	1
3	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बडगाँव	41	5	1
4	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कूपडा	41	5	1
5	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चिडियावासा	14	8	1
कुल		150	31	5

5. उपकरण

5.1 बाँसवाडा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों हेतु प्रश्नावली

बाँसवाडा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की समस्याओं का अध्ययन करने के लिए निम्नलिखित कथन है जिनकी प्रतिक्रिया हॉ अथवा नहीं में ली गई:–

- क्या ग्रामीण क्षेत्रों में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों की शिक्षा संरचना पूरी रूप से सही है?
- क्या उच्च माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों की कमी है?
- क्या एक कक्षा में विद्यार्थियों की संख्या अधिक है, जिससे शिक्षा प्रदान करना कठिन है?
- क्या विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों में संरचित रूप से पढ़ाया जा रहा है?
- क्या आप के पास आर्थिक समर्थन की स्थिति सही है?
- क्या आप का मनोबल बढ़ाने और आपकी समस्याओं का समाधान करने के लिए कोई सहगामी योजनाएं हैं?
- विद्यालय मे जाने हेतु वाहन खर्च होता है ?
- क्या आपके अभिभावक समय पर आपको विद्यालय भेजते हैं?
- क्या आपके अभिभावक कभी–कभी विद्यालय जाने से मना करते हैं?
- क्या आपके अभिभावक पढ़े लिखे है?
- क्या आपके अभिभावक आपसे घर का अथवा घर के व्यवसाय का काम करवाते हैं?
- क्या आपके अभिभावक आपको विद्यालय जाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं?
- क्या आपके अभिभावक आपकी रुचि के अनुसार पढ़ाने में सक्षम है ?
- क्या आप विद्यालय नियमित जाते हैं ?

- क्या आप को अन्य कोई समस्या है? हॉ तो समस्या विवरण:

5.2 बाँसवाडा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों हेतु प्रश्नावली

बाँसवाडा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की समस्याओं का अध्ययन करने के लिए निम्नलिखित कथन है जिनकी प्रतिक्रिया हॉ अथवा नहीं में ली गई:–

- क्या आप के उच्च माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों की कमी है?
- क्या आप को समाजिक और आर्थिक समर्थन मिल रहा है?
- क्या आप के पास विद्यार्थियों के साथ सहयोग करने के लिए कोई योजनाएं हैं?
- क्या आप को विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान करने के लिए सहयोग मिल रहा है?
- क्या आप विद्यालय रोज समय पर पहुंच जाते हैं ?
- क्या आपके विद्यालय में आधुनिक उपकरण जैसे कंप्यूटर लगे है ?
- क्या आपकी कक्षा में विद्यार्थी अनुपस्थित रहते हैं ?
- अगर अनुपस्थित रहते हैं तो उनको विद्यालय में लाने के लिए प्रयास किए जाते है ?
- क्या आप अपने प्रधानाध्यापक के कार्यों से संतुष्ट हैं ?
- क्या ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थीयो को आप द्वारा पढ़ाया गया समझ में आता है ?
- क्या ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों की भाषा और आपकी भाषा के कारण कोई समस्या उत्पन्न होती है ?
- क्या विद्यार्थी आपकी क्लास में रुचि लेकर पढ़ाई करते हैं ?
- क्या विद्यार्थियों को रोज विद्यालय आने के लिए प्रेरित किया जाता है ?
- क्या आप को अन्य कोई समस्या है? हॉ तो समस्या विवरण:
- विद्यालय में अगर कोई समस्या हो तो उसे दूर करने के कोई सुझाव? हॉ तो सुझाव विवरण:

5.3 बाँसवाडा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानध्यापकों हेतु प्रश्नावली

बाँसवाडा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानध्यापकों की समस्याओं का अध्ययन करने के निम्नलिखित कथन है जिनकी प्रतिक्रिया हॉ अथवा नहीं में ली गई:–

- क्या आप को उच्च माध्यमिक शिक्षा प्रणाली में कोई समस्याएं महसूस हो रही हैं? हॉ तो समस्या विवरण:
- क्या शिक्षा स्तर और गुणवत्ता को बनाए रखने में कोई चुनौतियां हैं?
- क्या विद्यालयों के प्रबंधन में कोई कमी है जो प्रधानध्यापकों को कार्य करने में असमर्थ बना रहती है?
- क्या प्रधानध्यापक गॉव समुदाय के साथ सही रूप से संबंध बनाए रखने में कोई समस्याएं अनुभव कर रहे हैं?
- क्या विद्यार्थी के अनुपस्थित रहते हैं तो विद्यालय द्वारा उनके अभिभावको को सूचित किया जाता है?
- क्या विद्यार्थियों के अभिभावको से नियमित रूप से विद्यार्थियों के अध्ययन के बारे में जानकारी दी एवं ली जाती है?
- अगर कोई विद्यार्थी आर्थिक रूप से कमजोर है तो उसके लिए कोई प्रावधान रखा जाता है?
- शिक्षकों तथा विद्यार्थियों में अच्छा माहोल बनाए रखने के लिए कोई प्रयास किया जाता है?
- क्या आपके विद्यालय में शिक्षकों की कमी है?
- क्या विद्यार्थियो को खेल खिलाए जाते हैं?
- क्या खेल खेलने के लिए विद्यार्थियो को आर्थिक रूप से सहयोग दिया जाता है?

- क्या खेल के प्रति विद्यार्थियो को जागरूक किया जाता है?
- क्या विद्यार्थियों की समस्याओं को सुनने एवं हल करने हेतु प्रयास किए जाते हैं?
- क्या आप को अन्य कोई समस्या है? हॉ तो समस्या विवरण:
- विद्यालय म ेंअगर कोई समस्या हो तो उसे दूर करने के कोई सुझाव? हॉ तो सुझाव विवरण:

6. प्रदत्तो का संकलन

प्रस्तुत अनुसंधान पत्र के प्रदत्त संकलन हेतु सर्वप्रथम बांसवाड़ा जिले के ग्रामीण क्षेत्र के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय क्रमश: राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जनामेडी, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लोधा, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बडगाँव, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कूपडा तथा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चिडियावासा के प्रधानाध्यापको से संपर्क कर अनुमति प्राप्त की गई।
इसके पश्चात प्रधानाध्यापक की अनुमति प्राप्त कर चयनीत विद्यालय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से प्रदत्तो के संकलन हेतु प्रपत्र बांटे गए, जिसमें उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थियों द्वारा प्रश्न पत्र में हां और नहीं में उत्तर दिया गया।

7. प्रदत्तों का विश्लेषण

7.1 बाँसवाडा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की समस्याओं का अध्ययन

इन उद्देश्यों से संबंधित प्रदत्तो का विश्लेषण बारंबारता एवं प्रतिशत विधि द्वारा किया गया। विश्लेषण से प्राप्त परिणामों को तालिका क्रमांक 4.1 में दर्शाया गया हैं। बाँसवाडा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों की कुल 5 राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों के 150 विद्यार्थियों का चयन कर उनकी समस्याओं का अध्ययन किया गया।

ग्राफ *2:* छात्रों की समस्या संबंधित प्रतिक्रिया की आवृत्ति एंव प्रतिशत

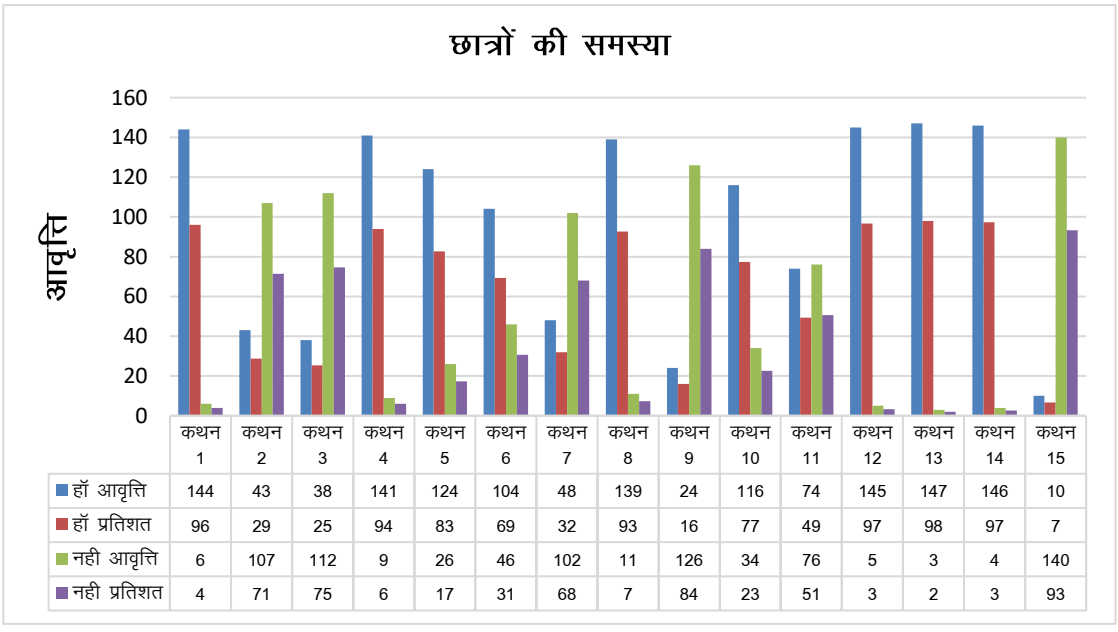

	कथन 1	कथन 2	कथन 3	कथन 4	कथन 5	कथन 6	कथन 7	कथन 8	कथन 9	कथन 10	कथन 11	कथन 12	कथन 13	कथन 14	कथन 15
हॉ आवृत्ति	144	43	38	141	124	104	48	139	24	116	74	145	147	146	10
हॉ प्रतिशत	96	29	25	94	83	69	32	93	16	77	49	97	98	97	7
नही आवृत्ति	6	107	112	9	26	46	102	11	126	34	76	5	3	4	140
नही प्रतिशत	4	71	75	6	17	31	68	7	84	23	51	3	2	3	93

7.2 बाँसवाडा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की समस्याओं का अध्ययन

इन उद्देश्यों से संबंधित प्रदत्तो का विश्लेषण बारंबारता एवं प्रतिशत विधि द्वारा किया गया। विश्लेषण से प्राप्त परिणामों को तालिका क्रमांक 4.2 में दर्शाया गया हैं। बाँसवाडा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों की कुल 5

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों के 31 शिक्षकों का चयन कर उनकी समस्याओं का अध्ययन किया गया।

ग्राफ 3: शिक्षकों की समस्या संबंधित प्रतिक्रिया की आवृत्ति एंव प्रतिशत

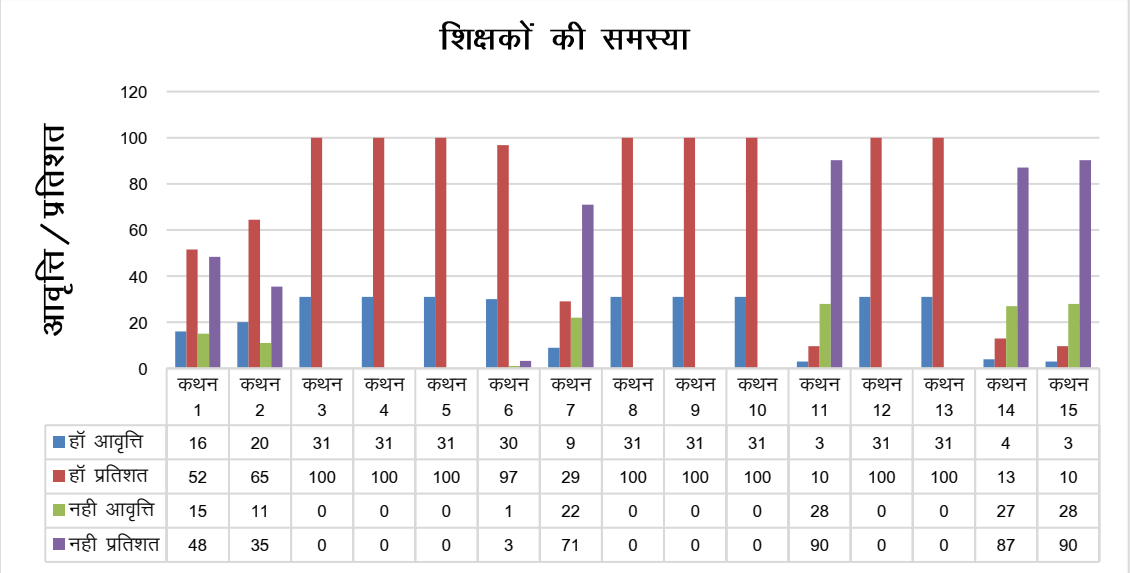

	कथन 1	कथन 2	कथन 3	कथन 4	कथन 5	कथन 6	कथन 7	कथन 8	कथन 9	कथन 10	कथन 11	कथन 12	कथन 13	कथन 14	कथन 15
हॉ आवृत्ति	16	20	31	31	31	30	9	31	31	31	3	31	31	4	3
हॉ प्रतिशत	52	65	100	100	100	97	29	100	100	100	10	100	100	13	10
नही आवृत्ति	15	11	0	0	0	1	22	0	0	0	28	0	0	27	28
नही प्रतिशत	48	35	0	0	0	3	71	0	0	0	90	0	0	87	90

7.3 बाँसवाडा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों की राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों की समस्याओं का अध्ययन

इन उद्देश्यों से संबंधित प्रदत्तो का विश्लेषण बारंबारता एवं प्रतिशत विधि द्वारा किया गया। विश्लेषण से प्राप्त परिणामों को तालिका क्रमांक 4.3 में दर्शाया गया हैं। बाँसवाडा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों की कुल 5 राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों के 5 प्रधानाध्यापकों का चयन कर उनकी समस्याओं का अध्ययन किया गया।

ग्राफ 4: प्रधानाध्यापकों की समस्या संबंधित प्रतिक्रिया की आवृत्ति एंव प्रतिशत

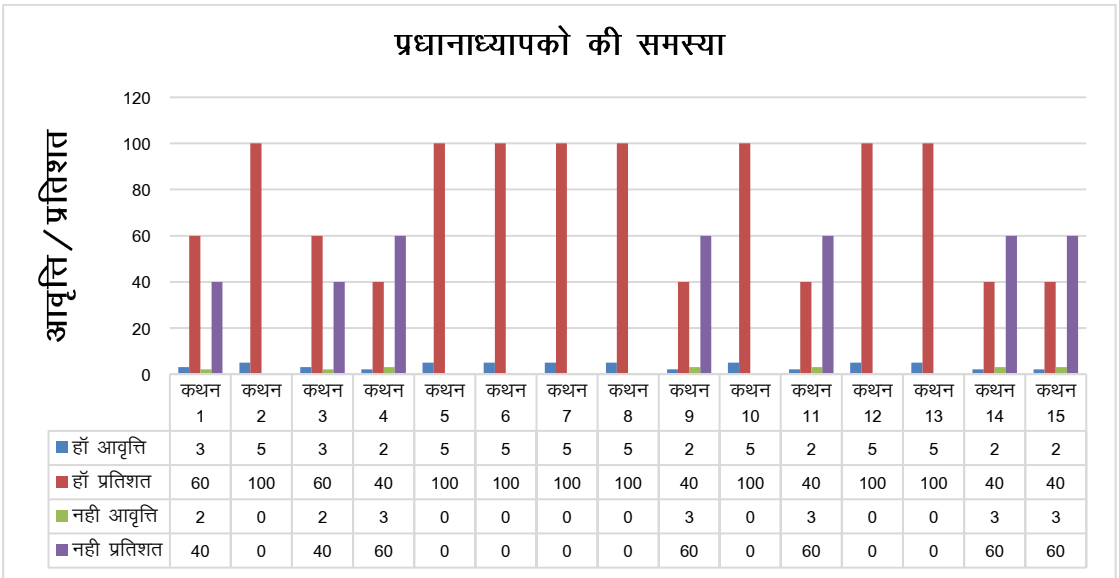

	कथन 1	कथन 2	कथन 3	कथन 4	कथन 5	कथन 6	कथन 7	कथन 8	कथन 9	कथन 10	कथन 11	कथन 12	कथन 13	कथन 14	कथन 15
हॉ आवृत्ति	3	5	3	2	5	5	5	5	2	5	2	5	5	2	2
हॉ प्रतिशत	60	100	60	40	100	100	100	100	40	100	40	100	100	40	40
नही आवृत्ति	2	0	2	3	0	0	0	0	3	0	3	0	0	3	3
नही प्रतिशत	40	0	40	60	0	0	0	0	60	0	60	0	0	60	60

8. परिणाम एवं निश्कर्ष

प्रदत्त विश्लेषण के अंतर्गत प्राप्त परिणाम निम्नलिखित है

- अधिकांश विद्यालयों में शिक्षकों का अभाव है।
- अधिकांश विद्यार्थियों के अभिभावक घर का अथवा घर के व्यवसाय का काम करवाते हैं।

- अभिभावक अपने बच्चों को विद्यालय जाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।
- अभिभावक अपने बच्चों की रुचि के अनुसार पढ़ाई करने में सक्षम है।
- विद्यार्थी नियमित रूप से विद्यालय जाते हैं।
- अधिकांश प्रधानाध्यापकों को उच्च माध्यमिक शिक्षा प्रणाली में समस्या महसूस हो रही है।
- सभी प्रधानाअध्यापकों को शिक्षा स्तर और गुणवत्ता को बनाए रखने में चुनौतियां का सामना करना पड रहा है।
- अधिकांश प्रधानाअध्यापकों के विद्यालयों के प्रबंध में कमियां है जो उन्हें कार्य करने में असमर्थ बना रही है।
- अधिकांश प्रधानाअध्यापक गांव समुदाय के साथ सही रूप से संबंध बनाए रखने में समस्या का अनुभव नहीं कर रहे हैं।
- विद्यार्थी अनुपस्थित रहते हैं तो विद्यालय द्वारा उनके अभिभावकों को सूचित किया जाता है।
- प्रधान अध्यापकों द्वारा विद्यार्थियों के अभिभावकों से नियमित रूप से विद्यार्थी के अध्ययन के बारे में जानकारी दी एवं दी जाती है।
- प्रधानाअध्यापकों द्वारा शिक्षक को तथा विद्यार्थियों के मध्य अच्छा माहौल बनाए रखने के लिए प्रयास किए जाते हैं।
- सभी विद्यालयों में विद्यार्थियों को खेल खिलाए जाते हैं तथा अगर उनकी आर्थिक स्थिति सही नहीं है तो विद्यालय द्वारा सहयोग नहीं दिया जाता।

9. भविश्य में शोध हेतु सुझाव

प्रस्तुत अनुसंधान पत्र के आधार पर भविष्य में अन्य शोध करता है तो निम्न सुझाव है–

1. प्रस्तुत शोध कार्य ग्रामीण क्षेत्र के विभिन्न वर्गों जैसे– अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग तथा सामान्य वर्गों के प्रतिनिधित्व का तुलनात्मक अध्ययन कर सकते हैं।
2. ग्रामीण क्षेत्र में उच्च माध्यमिक विद्यालय में पढ़ाई जाने वाले विभिन्न विषयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की समस्याओं का अध्ययन किया जा सकता है।
3. ग्रामीण क्षेत्र क्षेत्र के विद्यालय हेतु सरकार द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं का अध्ययन किया जा सकता है।
4. ग्रामीण क्षेत्र के आर्थिक रूप से कमजोर अभिभावको हेतु सरकार द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं का भी अध्ययन किया जा सकता है।

ग्रामीण क्षेत्र के अभिभावक तथा उनके बच्चों के मध्य शिक्षा के स्तर का भी अध्ययन किया जा सकता है जिससे उनके विकास में लाभ प्राप्त हो सकता है।

सन्दर्भ ग्रंथ

1. पाल, एच. आर. (2000). उच्च–शिक्षा में अध्यापन एवं प्रशिक्षण की प्रविधियाँ, हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली.।
2. दुबे (2000) अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों का अध्ययन एम.एड़ लघु शोधप्रबंध (शिक्षा) दे. अ. वि. वि. इंदौर.।
3. दुबे. पी. के. (2000) अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के शिक्षक प्रशिक्षण आर्थियों के सशक्तिकरण हेतु व्यूह रचना की प्रभावीता का अध्ययन एम.एड़ लघु शोधप्रबंध (शिक्षा) दे. अ. वि. वि. इंदौर.
4. परिहार के. (2000) ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्यनरत छात्राओं की तर्कशक्ति का तुलनात्मक अध्ययन एम.एड़ लघु शोधप्रबंध (शिक्षा) दे. अ. वि. वि. इंदौर।

5. अग्रवाल (2000) अनुसूचित जाति के छात्रों की शैक्षिक समस्याओं का अध्ययन। दे. अ. वि. वि. इंदौर।
6. माली, दिनेश चंद्र (2000) ने विद्यार्थियों की शिक्षा की समस्या एवं अभिभावक की अभिवृति एम.एड़ लघु शोधप्रबंध (शिक्षा) दे. अ. वि. वि. इंदौर.।
7. इकोनॉमिक्स एंड पॉलीटिकल वीकली विस्कॉफ (2001)।
8. भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (2004)।
9. अग्नि भोज वंदना (2006) प्राथमिक शिक्षा के लोकव्यापी कारण में पालक शिक्षक संघ के क्रियांवा में आने वाली बातों का अध्ययन लघु शोधप्रबंध (शिक्षा) दे. अ. वि. वि. इंदौर।
10. पुरोहित, जे. एन. एवं अन्य (2006). भावी शिक्षकों के आधारभूत कार्यक्रम. राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।.